नवदुनिया
(30.01.2015)

बेटी की साइकिल चलाई तो पुलिसकर्मी ने बच्ची को पीटा

इंदौर (ब्यूरो)। अपनी बेटी की साइकिल दूसरी बच्ची को चलाता देख एक पुलिसकर्मी भड़क उठा। उसने साइकिल चलाने वाली बच्ची को जमकर पीटा और आधा किलोमीटर दूर उसके घर तक मारते हुए ले गया। कुछ देर बाद बच्ची घर से बाहर जलती हुई निकली और ओटले पर गिर पड़ी। गंभीर रूप से झुलसी बच्ची को लेकर पड़ोसी एमवायएच पहुंचे और यह घटनाक्रम बताया। पुलिसकर्मी परिवार सहित फरार है। सिकंदराबाद कॉलोनी में रहने वाली 12 वर्षीय यास्मीन पिता मुमताज अली को पड़ोसी झुलसी हालत में एमवायएच लेकर पहुंचे। कॉलोनी के लोगों ने आरोप लगाया कि यास्मीन अपने घर के पास रहने वाले महिला अपराध प्रकोष्ठ में लिपिक (एएसआई) प्रकाश जारोलिया की बेटी की साइकिल चला रही थी। तभी प्रकाश आया और बच्ची को वहीं पीटने लगा।

पत्रिका
(29.01.2015)

लापरवाही ◆ निगम ने हैदराबाद की नवोदय एनीमल केयर संस्था को कुत्तों की नसबंदी का दिया है ठेका

अब तक सिर्फ 15 हजार कुत्तों की हुई नसबंदी

भोपाल
cityreporterbhopal@patrika.com

पत्रिका लगातार

कुत्तों के काटने से मंगलवार को हुई एक वृद्ध की मौत ने एक बार फिर से जाहिर कर दिया है कि आवारा कुत्तों पर नियंत्रण करने नगर निगम के उपाय नाकाफी हैं। निगम के ही आंकड़ों की बात करें तो बीते करीब सवा साल में दो लाख कुत्तों में से महज पंद्रह हजार की ही नसबंदी हो पाई है। यानी कुत्तों की कुल आबादी में से महज आठ फीसदी की ही नसबंदी हुई है।

शहर में आवारा घूम रहे दो लाख कुत्तों में से नगर निगम महज पंद्रह हजार की ही नसबंदी कर पाया है। नवंबर 2013 से कुत्तों की नसबंदी की प्रक्रिया की जा रही है। निगम ने हैदराबाद की नवोदय एनीमल केयर संस्था को कुत्तों की नसबंदी का ठेका दिया है। यह संस्था नर कुत्ते की नसबंदी के लिए 590 रुपए व मादा कुत्ते की नसबंदी के 690 रुपए लेती हैं।

25 लोगों के बीच एक कुत्ते का मानक

भारतीय जीव जंतु कंट्रोल बोर्ड के मानकों के अनुसार 25 लोगों के बीच एक कुत्ते को रखा गया है। इस तरह से शहर की 20 लाख आबादी के बीच 80 हजार कुत्ते होने चाहिए, लेकिन नियंत्रण के उचित उपाय नहीं होने से ये ढाई गुना तक अधिक हैं।

अब तक साढ़े पंद्रह हजार कुत्तों की नसबंदी कर चुके हैं। हमारी टीम रोजाना तय क्षेत्र में जाकर कुत्तों को पकड़कर उनकी नसबंदी करती है।

डॉ. एसके श्रीवास्तव, प्रभारी, एनीमल कंट्रोल, भोपाल नगर निगम

तीन माह और एक हजार से अधिक डॉग बाइट

शहर के तीन प्रमुख सरकारी अस्पताल जेपी, हमीदिया व बैरागढ़ के सिविल हॉस्पिटल में प्रति तीन माह में एक हजार से अधिक डॉग बाइट की घटनाएं होती हैं। हाल के तीन माह में ही देखें तो हमीदिया मे 300, जेपी में 350 और करीब ढाई सौ डॉग बाइटिंग की घटनाएं बैरागढ़ सिविल हॉस्पिटल में हुई हैं। हमीदिया अस्पताल अधीक्षक डीके पाल का कहना है कि कोशिश करते हैं कि अस्पताल परिसर में कुत्ते प्रवेश न करें। इसी तरह जेपी अस्पताल अधीक्षक वीणा सिन्हा के अनुसार आवारा कुत्तों की समस्या वाकई बड़ी है।

लाश का पैर काटा था

- अक्टूबर 2014 में हमीदिया अस्पताल के बाहर ही परिसर में लाश का पैर कुत्तों ने नोच दिया था।
- रेलवे कर्मचारी एनके शर्मा अगस्त 2014 में इंद्रपुरी स्थित अपने आवास से सुबह 4 बजे भोपाल स्टेशन प्लेटफॉर्म नंबर एक की ओर जा रहे थे कि सुभाष नगर के पास उनकी गाड़ी के पीछे आवारा कुत्ते दौड़े जिससे गाड़ी गिर गई।
- दिसंबर 2013 में एक आवारा कुत्ते ने तुलसी नगर से लेकर जेपी अस्पताल तक करीब छह लोगों को काटा था।